खिचड़ी खा जाना | By Pankaj Jal

कभी फुर्सत जो मिल जाए तुम्हे आते जाते बाबा
मैं रस्ता देखूंगा तेरा तू मेरे घर को आ जाना
ओ शिरडी वाले साई बाबा आके खिचड़ी खा जाना

छोटा सा परिवार है मेरा
दो बच्चो का घर है प्यारा
कभी कुछ हो जाये मुझको हे बाबा
तेरे सहारे घर संसारा
सब सौंप दिया है तुझको अपना जीवन ये सारा
मैं रस्ता देखूंगा तेरा तू मेरे घर को आ जाना
ओ शिरडी वाले साई बाबा आके खिचड़ी खा जाना

एक गरीब की कुटिया है मेरा
आजा करेंगे तेरा सत्कारा
प्रेम की खिचड़ी खा के ओ बाबा
कर देना तू मेरा उद्धारा
नैन तरस गए हैं मेरे दर्शन को तेरे बाबा
मैं रस्ता देखूंगा तेरा तू मेरे घर को आ जाना
ओ शिरडी वाले साई बाबा आके खिचड़ी खा जाना

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%bf%e0%a4%9a%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%96%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-pankaj-jal/